

AstroHelpDesk



आपकी रत्न जाँच

Review Demo

शनि - गुरु - बुध

सिंह · कुंभ

15 जून 1990 · 10:30 · Jaipur, India

आपका निजी संस्करण

सरल शब्द · तारीखें · आधार

काल्पनिक नमूना · उदाहरण के जन्म विवरण

आपकी रिपोर्ट एक नज़र में

Review Demo · 17 अक्टू 2026 · Jaipur, India

पाँच जीवन क्षेत्र · जन्म कुंडली का सहयोग

1	सीख और रचना	28 अंक
2	धन	28 अंक
3	काम	27 अंक
4	दिनचर्या	24 अंक
5	रिश्ते	23 अंक

सर्वाष्टकवर्ग मूल राशि-सहयोग का योग है। यह व्यक्ति का मूल्य या घटना की संभावना नहीं है।

फलादेश के साथ रखने योग्य तीन सावधानियाँ

- जड़ाई का फैसला समय लेकर करें और पहले से तय जाँच-अवधि में लौटाने की शर्त लिखवाएँ।
- यहाँ सावधानी का मुख्य कारण आपकी कुंडली में शनि का मिला-जुला स्वामित्व है; महँगा नमूना लेने से स्वामित्व बदलता नहीं।
- चाँदी से त्वचा संवेदनशील हो तो पहले आसानी से उतारा जा सकने वाला आभूषण पहनकर आराम जाँचें।

इस संस्करण की चल रही दशा

शनि – गुरु – बुध

काल्पनिक नमूना · उदाहरण के जन्म विवरण

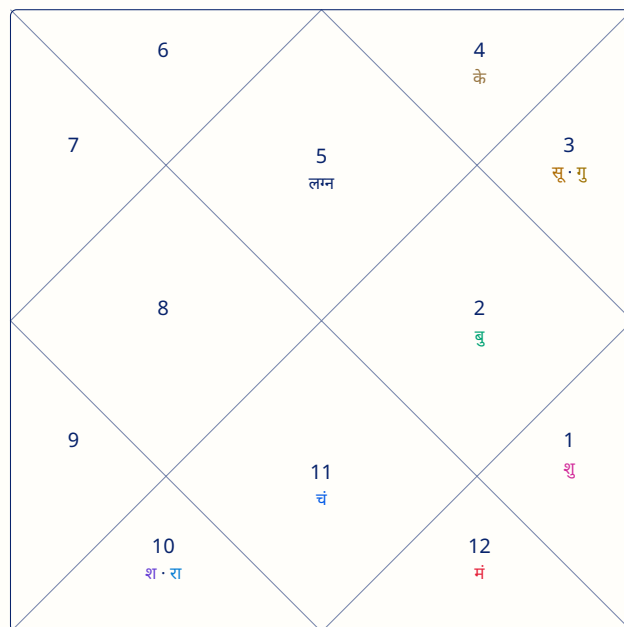
आपका फलादेश एक नज़र में

मुख्य ध्यान

12 सित 2026 – 21 जन 2027 (उम्र 36): बुध के कारण पेशे की जिम्मेदारियों आपके फैसलों में प्रमुख रह सकता है। वृषभ में इसकी स्थिति इस छोटे चरण को उस क्षेत्र की आपकी जिम्मेदारियों से जोड़ती है।

मौजूदा दशा

शनि – गुरु – बुध



जन्म विवरण: 15 जून 1990 · 10:30 · Jaipur, India

जीवन के दौर • महादशा समयरेखा

गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र
1990	2014	2037		2061		2085

ये परंपरागत वैदिक फलादेश हैं, गारंटी नहीं।

अध्याय 1

आपके रत्न का स्पष्ट निर्णय

12 सित 2026 – 21 जन 2027 (उम्र 36): बुध के कारण पेशे की जिम्मेदारियों आपके फैसलों में प्रमुख रह सकता है। वृषभ में इसकी स्थिति इस छोटे चरण को उस क्षेत्र की आपकी जिम्मेदारियों से जोड़ती है।

अध्याय 2

पन्ना • बुध

29 जून 2028 – 17 अक्टू 2028 में बुध के कारण पेशे की जिम्मेदारियों प्रमुख रह सकता है, क्योंकि जन्मकुंडली में यह उसी क्षेत्र में है। इस दौर की जिम्मेदारियों के लिए नीचे दिया निजी अभ्यास चुनें।

अध्याय 3

हीरा / सफेद पुखराज • शुक्र

17 अक्टू 2026 को शुक्र का जन्म प्रभाव आगे की पढ़ाई से जुड़ा है; अगले दो वर्षों में इसकी महादशा या अंतर्दशा नहीं है। इसका अभ्यास पृष्ठभूमि का स्वैच्छिक विकल्प रखें।

अध्याय 4

नीलम • शनि

17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 में शनि के कारण रोजमर्रा के काम प्रमुख रह सकता है, क्योंकि जन्मकुंडली में यह उसी क्षेत्र में है। इस दौर की जिम्मेदारियों के लिए नीचे दिया निजी अभ्यास चुनें।

लाल मूँगा • मंगल

17 अक्टू 2026 को मंगल का जन्म प्रभाव अचानक बदलाव से जुड़ा है; अगले दो वर्षों में इसकी महादशा या अंतर्दशा नहीं है। इसका अभ्यास पृष्ठभूमि का स्वैच्छिक विकल्प रखें।

मोती • चंद्र

17 अक्टू 2026 को चंद्र का जन्म प्रभाव साझा समझौतों से जुड़ा है; अगले दो वर्षों में इसकी महादशा या अंतर्दशा नहीं है। इसका अभ्यास पृष्ठभूमि का स्वैच्छिक विकल्प रखें।

माणिक • सूर्य

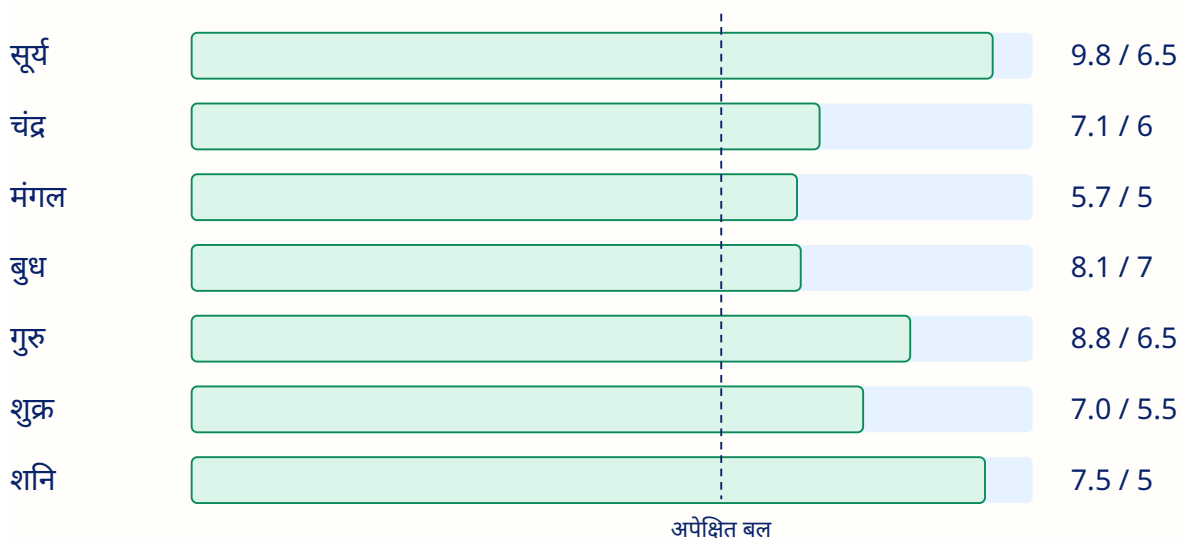
17 अक्टू 2026 को सूर्य का जन्म प्रभाव मित्रों और संपर्कों से जुड़ा है; अगले दो वर्षों में इसकी महादशा या अंतर्दशा नहीं है। इसका अभ्यास पृष्ठभूमि का स्वैच्छिक विकल्प रखें।

पुखराज • गुरु

17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 में गुरु के कारण मित्रों और संपर्कों प्रमुख रह सकता है, क्योंकि जन्मकुंडली में यह उसी क्षेत्र में है। इस दौर की जिम्मेदारियों के लिए नीचे दिया निजी अभ्यास चुनें।

आपकी कुंडली के चित्र

षड्बल · ग्रह के अपेक्षित बल से तुलना



संख्या कुल / अपेक्षित रूप बताती है। बिंदीदार रेखा ग्रह का अपना अपेक्षित बल है।

सर्वाष्टकवर्ग · बारह राशियाँ

मेष 35	वृषभ 27	मिथुन 25	कर्क 24	सिंह 24	कन्या 28
तुला 28	वृश्चिक 29	धनु 28	मकर 34	कुंभ 23	मीन 32

राशि के बिंदु योग; रंग वाले खानों में 28 या अधिक हैं।

अभी आपके लिए उपाय

ये स्वैच्छिक सहायक अभ्यास हैं, गारंटी नहीं। ऐसा छोटा अभ्यास चुनें जिसे निभा सकें। AstroHelpDesk से खरीद या उसे दान देना जरूरी नहीं है।

शनि · शांति के उपाय; अपने-आप बल न बढ़ाएँ

रोजमर्रा

एक छोटा कर्तव्य स्थिर गति से करें और आराम की वास्तविक गुंजाइश रखें।

वैदिक परंपरा

गुरु · मिश्रित स्वामित्व · पहले विशेषज्ञ से जाँच

रोजमर्रा

अच्छा सवाल पूछें, सलाह का कारण परखें और उपयोगी ज्ञान बाँटें।

वैदिक परंपरा

सामान्य स्वैच्छिक अभ्यास के लिए परंपरागत नवग्रह स्तोत्र चुन सकते हैं। अपनी परंपरा में सिखाया पाठ अपनाएँ; निश्चित फल का वादा न जोड़ें।

खरीदने से पहले ज्योतिषी से सलाह लें; स्वीकृति मिलने पर तीन दिन आजमाएँ और अस्वस्थ लगने या स्थिति बिगड़ने पर रोक दें। आकार से अधिक किफायती गुणवत्ता और आराम चुनें; केवल शरीर के वजन से प्रभावी कैरेट तय नहीं होते। रत्न वैकल्पिक हैं और AstroHelpDesk रत्न नहीं बेचता।

स्वास्थ्य, कानूनी या धन संबंधी फैसलों के लिए संबंधित योग्य पेशेवर से सलाह लें। मंत्र, दान या रत्न उस सलाह का विकल्प नहीं हैं।

रत्न: खरीद से पहले अनुकूलता

माणिक का संबंध सूर्य से है, जो आपके सिंह लग्न में भाव 1 के स्वामी हैं।

सूर्य के लिए कुंडली-विशिष्ट तरीका “कार्यात्मक शुभ ग्रह को सहयोग दें” और पहनने का निर्णय “स्वैच्छिक विकल्प · अनुकूलता की जाँच जरूरी” है।

माणिक पर विचार करते समय सूर्य का तात्कालिक अभ्यास व्यावहारिक रखें: एक वादा निभाएँ और दूसरे के योगदान का श्रेय दें।

सूर्य · कार्यात्मक शुभ ग्रह को सहयोग दें

रोजमर्रा

एक वादा निभाएँ और दूसरे के योगदान का श्रेय दें।

वैदिक परंपरा

पुखराज का संबंध गुरु से है, जो आपके सिंह लग्न में भाव 5, 8 के स्वामी हैं।

गुरु के लिए कुंडली-विशिष्ट तरीका “मिश्रित स्वामित्व · पहले विशेषज्ञ से जाँच” और पहनने का निर्णय “पहले विशेषज्ञ जाँच; नियमित पहनना नहीं” है।

पुखराज पर विचार करते समय गुरु का तात्कालिक अभ्यास व्यावहारिक रखें: अच्छा सवाल पूछें, सलाह का कारण परखें और उपयोगी ज्ञान बाँटें।

गुरु · मिश्रित स्वामित्व · पहले विशेषज्ञ से जाँच

रोजमर्रा

अच्छा सवाल पूछें, सलाह का कारण परखें और उपयोगी ज्ञान बाँटें।

वैदिक परंपरा

लाल मूँगा का संबंध मंगल से है, जो आपके सिंह लग्न में भाव 4, 9 के स्वामी हैं।

मंगल के लिए कुंडली-विशिष्ट तरीका “कार्यात्मक शुभ ग्रह को सहयोग दें” और पहनने का निर्णय “स्वैच्छिक विकल्प · अनुकूलता की जाँच जरूरी” है।

लाल मूँगा पर विचार करते समय मंगल का तात्कालिक अभ्यास व्यावहारिक रखें: असहमति से पहले छोटा विराम लें और प्रयास एक उपयोगी काम में लगाएँ।

मंगल • कार्यात्मक शुभ ग्रह को सहयोग दें

रोजमर्रा

असहमति से पहले छोटा विराम लें और प्रयास एक उपयोगी काम में लगाएँ।

वैदिक परंपरा

आपके लिए प्रार्थना की एक परंपरा

आपकी कुंडली में सूर्य के माध्यम से शिव / राम स्वैच्छिक प्रार्थना के पारंपरिक केंद्र हैं। अपने विश्वासों के अनुरूप सहज अभ्यास चुनें।

यदि परिवार में कुलदेवता की परंपरा है तो बड़ों द्वारा पूजे जाने वाले कुलदेवता को पहले मानें। अपनी परंपरा में कुछ शांत मिनट प्रार्थना या मनन भी रख सकते हैं।

सरल दैनिक अभ्यास: सुबह की सामान्य दिनचर्या के बाद शांत बैठें, अपनी परंपरा के अनुकूल हो तो शिव / राम का स्मरण करें और दिन के लिए एक सद्भावपूर्ण काम चुनें।

धर्म देवता की जाँच में चंद्र से कृष्ण / पार्वती का संबंध जीवन के उद्देश्य से जुड़ता है। अलग जन्म-कुंडली तुलना में मंगल से हनुमान / कार्तिकेय / नरसिंह का संकेत मिलता है।

ज्योतिषी दृष्टि • गणना के चरण

सात शास्त्रीय ग्रहों के राशि-अंतर्गत अंशों की तुलना; प्रार्थना स्थान में मौजूद सभी ग्रह शामिल।

अध्याय 9

चुने आभूषण की तैयारी और प्राण-भावना

पहले पदार्थ की सामान्य जाँच करें। रत्न को प्रमाणपत्र से मिलाएँ, जड़ाई देखें और अँगूठी का माप आरामदायक रखें। उस पदार्थ के अनुकूल सफाई करें; मोती और मूँगे में कठोर स्फटिक से अधिक हल्की देखभाल चाहिए। आभूषण सुखाकर साफ कपड़े पर रखें। संबंधित अध्याय में दी स्थानीय ग्रह होरा और शांत जगह चुनें। ग्रह के असली भावों से जुड़ा सरल संकल्प रखें: बुध के लिए उपयोगी सीख, शुक्र के लिए बराबरी की सहमति या शनि के लिए धैर्य से जिम्मेदारी। सूची वाला बीज मंत्र सहज गति से 108 बार जपें, या अपनी परिचित छोटी नाम-प्रार्थना लें। प्रार्थना के बाद आभूषण पहनें और सामान्य तय काम पर लौटें। यह भक्ति की धारण-परंपरा है। उपयोगी अर्थ सोचकर शुरुआत और चुने आचरण की नियमित याद है। पहला दिन इतना सरल रखें कि माप, आराम और जड़ाई की दशा पर ध्यान दे सकें।

अध्याय 10

खरीद में जाँची जा सकने वाली गुणवत्ता

बड़ी खरीद में स्वतंत्र प्रयोगशाला की रिपोर्ट लें और उसका क्रमांक सीधे उस प्रयोगशाला से जाँचें। पदार्थ का प्रकार, किस्म, असली वजन, माप और पता चलने वाले उपचार को बिल से मिलाएँ। भौगोलिक मूल और प्राकृतिक पदार्थ होना अलग दावे हैं: रत्न प्राकृतिक हो सकता है जबकि उसकी खदान का स्थान स्पष्ट न हो। किसी देश के नाम पर बढ़ी कीमत का लिखित आधार माँगें। दिन के उजाले और सामान्य कमरे की रोशनी में रत्न देखें; उपलब्ध हो तो साधारण आवर्धक से जाँचें। सुंदर रंग, सुरक्षित जड़ाई और रोज पहनने के अनुकूल मजबूती देखें। तय निरीक्षण-अवधि में दोबारा जाँच, मरम्मत और लौटाने का खर्च कौन देगा, यह पूछें। तस्वीर और पहचान वाली रिपोर्ट रसीद के साथ रखें। उपचार और वापसी स्पष्ट समझाने वाला विक्रेता जीवन तेजी से बदलने के वादे से अधिक उपयोगी जानकारी देता है। दबाव में तय बजट बढ़ रहा हो तो निर्णय एक दिन रोककर देखें।

समझदारी से परीक्षण और निर्णय का लेखा

तीन सामान्य दिनों में त्वचा का आराम, माप और उतारने की सहजता देखें। धातु, लगभग पहने घंटे और परेशानी का लेखा रखें। सूजन, चकत्ते या दर्द वाला आभूषण उतारें और लक्षण बने रहें तो उचित देखभाल लें। कपड़े में अटकने, जड़ाई ढीली होने या काम में बाधा देने वाले रत्न के लिए बेहतर जड़ाई या सरल रूप चाहिए। मन और घटनाओं के कई कारण होते हैं, इसलिए परीक्षण को दिखाई देने वाले आराम और उपयुक्तता पर केंद्रित रखें। मिश्रित स्वामित्व वाले रत्न में लंबे धारण से पहले कुंडली, सही जन्म विवरण और यह निर्णय अनुभवी जानकार को दिखाएँ। प्रार्थना और दान कम खर्च वाले विकल्प हैं। प्रमाणपत्र, बिल, वापसी की अंतिम तारीख और तय कीमत एक जगह रखें। एक सप्ताह बाद देखें कि चयन आरामदायक, वहन योग्य और पुस्तक की निजी सिफारिश के अनुरूप बना है। भक्ति की वस्तु तब अच्छी तरह साथ देती है जब उसे पाने और उपयोग करने का तरीका शांत, समझा हुआ और निभने वाला हो।

वजन, खर्च और रखने वाला लेखा

यहाँ रंगीन रत्न के लिए घोषित परंपरागत आधार शरीर के किलो वजन को दस से भाग देना है; उससे शुरुआती कैरेट मिलते हैं। पचास, साठ और सत्तर किलो में क्रमशः पाँच, छह और सात कैरेट होते हैं। आपकी प्रोफ़ाइल में शरीर का वजन दर्ज नहीं है; यह परंपरा चुनें तो अपना मापा वजन लें। हीरे के लिए अलग आधे से एक कैरेट की छोटी सीमा है; सफेद पुखराज रंगीन रत्न का आधार लेता है। रत्नी का स्थानीय माप बदलता है, इसलिए बिल पर मापा कैरेट लिखवाएँ। हिसाब असली नमूने के साथ रखें ताकि बातचीत में विक्रेता नियम बदलकर भ्रम कम बनाए।

कुल खर्च में रत्न, जड़ाई, प्रयोगशाला जाँच, मरम्मत और लौटाने का खर्च जोड़ें। बेहतर मूल्य तय करने से पहले एक जैसे पदार्थ और उपचार वाले दो नमूने मिलाएँ। सुंदर और सही पहचान वाला छोटा आभूषण पहनना तथा सँभालना अधिक सरल हो सकता है। वापसी की समय-सीमा लिखित लें और स्वतंत्र जाँच का समय रखें। बिल, रिपोर्ट, तस्वीर, धारण की तारीख और आराम का नोट एक जगह रखें। इससे निर्णय शांत रहता है और खरीद का असली वादा सुरक्षित रहता है। भुगतान से पहले इसी पदार्थ और जड़ाई की देखभाल समझें। सफाई, माप बदलने या मरम्मत का वापसी की शर्त पर असर पूर्ण। पहचान वाले प्रमाणपत्र के साथ आभूषण की तस्वीर लें और मूल विवरण सँभालें। स्पष्ट लेखा बाद की जाँच और मरम्मत को आसान बनाता है।

शब्दार्थ • सरल अर्थ

लग्न

जन्म के समय पूर्व में उगती राशि।

महादशा

पारंपरिक दशा चक्र की मुख्य ग्रह अवधि।

अंतर्दशा

महादशा के भीतर छोटी ग्रह अवधि।

होरा

ग्रह के पारंपरिक स्वामित्व वाला दिन या रात का समय।

भाव

कुंडली के बारह विभागों में से एक, जिससे जीवन का एक क्षेत्र पढ़ा जाता है। इसे घोषित भाव पद्धति के अनुसार समझें।

स्वामी ग्रह

किसी राशि का परंपरागत स्वामी ग्रह। भाव में स्थित राशि का स्वामी उस भाव का स्वामी कहलाता है।

आत्मकारक

इस पुस्तक की सात-ग्रह पद्धति में जन्म राशि के भीतर सबसे अधिक अंश वाला पारंपरिक ग्रह। राहु और केतु इस चयन में शामिल नहीं हैं।

कारकांश

मूल D9 में आत्मकारक की राशि। यहाँ दी प्रार्थना-परंपरा की जाँच में इसे संदर्भ राशि लिया गया है।

इष्टदेवता

स्वैच्छिक व्यक्तिगत प्रार्थना का परंपरागत संकेत; यहाँ इसे कारकांश से बारहवीं राशि से पढ़ा गया है। इससे आपकी धार्मिक पहचान तय नहीं होती।

धर्मदेवता

उद्देश्य से जुड़ा प्रार्थना का परंपरागत संकेत। कारकांश से नौवीं राशि और जन्म लग्न से नौवीं राशि की जाँच अलग-अलग की जाती है।

कुलदेवता

परिवार की पहले से चली आ रही पूजा-परंपरा। इसे कुंडली के स्वैच्छिक सुझाव से पहले रखें; नाम या कुंडली से इसका अनुमान नहीं लगाया जाता।